अनुवाद

अनुवाद का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएँ बताएँ।

भूमिका :-

आधुनिक युग में विज्ञान ने सम्पूर्ण विश्व को इकाई बना दिया है। विश्व के तमाम देश किसी न किसी कारण से एक दूसरे पर निर्भर हैं चाहे विकास का कोई भी क्षेत्र हो, परस्पर सहयोग की जरूरत होती है। सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, आर्थिक वैज्ञानिक विकास के लिए कई - कई स्तरों पर पारस्परिक संबंध बनाने की जरूरत पड़ती है। इन जरूरतों की पूर्ति के लिए सबसे बाधक बनती है दो देशों के बीच की भाषा. अलग - अलग भाषा में लिखित ज्ञान - विज्ञान का साहित्य। इस अंतराल को समाप्त कर भाषा - भाषियों के बीच सम्पर्क - सेतु का काम अनुवाद ही करता है। अतः भाषाई स्तर पर संप्रेषण व्यापार हेतु अनुवाद एक अहम आवश्यकता के रूप में उभरकर सामने आया है।

अनुवाद का अर्थ :-

'अनुवाद' शब्द संस्कृत से निष्पन्न है। इसमें 'अनु' उपसर्ग है और 'वाद' भाववाचक संज्ञा है। 'वाद' शब्द 'वद्'

Scanned with OKEN Scanner

धातु में 'घ' प्रत्यय से बना है। 'वद्' का अर्थ है बोलना अथवा कहना। 'अनु' का अर्थ है पश्चात् का या बाद में अनुवाद का मूल अर्थ हुआ किसी के बोलने या कहने के बाद बोलना या कहना अर्थात् कथन के बाद पुनः कथन। कोशगत अर्थ भी अनुवाद का यही है, पहले कहे गए अर्थ को फिर से कहना।

शब्दार्थ चिंतामणि कोष के अनुसार, "प्राप्तस्य पुनः कथते" अर्थात् पहले कहे गए अर्थ को पुन कहना है। लेकिन अंग्रेजी - शब्द 'ट्रांसलेशन' का पर्याय अनुवाद माना जाता है। यह अंग्रेजी शब्द 'ट्रांसलेशन' लैटिन शब्द 'ट्रांसलेटम' से बना है। 'ट्रांसलेटम' शब्द दो घटकों के मेल से बना है।

ट्रांस + लाक्टम

पार या दूसरी ओर — ले जाना

'ट्रांस' का अर्थ है - पार या दूसरी ओर तथा 'लाक्टम' का अर्थ है - ले जाना अर्थात् इसका अर्थ हुआ - एक भाषा के पार दूसरी भाषा में ले जाना। 'ट्रांसलेट' का अर्थ भी यही है - एक भाषा से दूसरी भाषा में बदलना और 'ट्रांसलेशन' का अर्थ है - विशेष रुप से

Scanned with OKEN Scanner

किसी साहित्यिक रचना का दूसरी भाषा में बदलने का परिणाम। लेकिन अनुवाद का दायरा अब साहित्य तक सीमित नहीं है। यह अब बहुआयामी और बहुकोणीय है। इसलिए अनुवाद शब्द का अर्थ विस्तार हुआ है - एक भाषा की विचार - सामग्री को दूसरी भाषा में पहुँचना।

अनुवाद के लिए अंग्रेजी में 'ट्रांसलेशन' शब्द प्रचलित है तो उर्दू में इसे 'तर्जुमा' कहा जाता है। हिंदी में 'लिप्यंतरण' 'भाषांतर', रुपांतर इत्यादि शब्द का प्रयोग भी अनुवाद के अर्थ में किया जाता है। लेकिन इन शब्दों के नए अर्थ और उपयोग प्रचलित हैं, जो अनुवाद की व्यापकता को समाहित नहीं कर पाते। इसलिए 'अनुवाद' शब्द अपने - आप में पूर्ण व्यापक और अर्थ पूर्ण है। इसका विशेषार्थ प्रचलित है - किसी भाषा में अभिव्यक्त विचारों को यथावत् दूसरी भाषा में प्रस्तुत करना।

अनुवाद की परिभाषा

विद्वानों ने समय - समय पर अनुवाद के संबंध में अपने जो विचार एवं परिभाषाएं दी है, वे निम्न इस प्रकार से हैं :-

Scanned with OKEN Scanner

1. आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा के अनुसार :-

"कई विचारों को एक भाषा से दूसरी भाषा में रुपांतरित करना अनुवाद है।"

2. डॉ. भलोनाथ तिवारी :-

"एक भाषा में व्यक्त विचारों को यथासंभव समान और सहज अभिव्यक्ति द्वारा दूसरी भाषा में व्यक्त करने का प्रयास अनुवाद है।"

3. डॉ. राम प्रकाश के अनुसार :-

"स्त्रोतभाषा में प्रस्तुत रचना और लक्ष्यभाषा में प्रस्तावित रचना के मध्य निकटतम सहज समतुल्यता की स्थापना ही अनुवाद है।"

4. ए. एच. स्मिथ के अनुसार :-

"अर्थ को बनाये रखते हुए अन्य भाषा में अंतरण करना अनुवाद है।"

Scanned with OKEN Scanner

अनुवाद के भेद →

अनुवाद के मुख्यः आठ भेद हैं :→

1. शब्दानुवाद :—
इस अनुवाद प्रक्रिया में स्रोत भाषा के प्रत्येक शब्द को लक्ष्य भाषा के अनुरूप अनुवाद कर दिया जाता है।

2. भावानुवाद :—
जब अनुवादक लेखक या रचनाकार की भावनाओं को समझकर लक्ष्य भाषा में अनुवाद करता है तो उसे भावानुवाद कहते हैं।

3. छायानुवाद :—
जब अनुवादक किसी रचना की कुछ पंक्तियों को रचना के आधार पर अपने शब्दों में लिखता है तो इसे छायानुवाद कहते हैं।

4. सारानुवाद :—
जब किसी लंबे भाषण या किसी बड़ी रचना के साराश का लक्ष्य भाषा में अनुवाद किया जाता है तो उसे सारानुवाद

Scanned with OKEN Scanner

कहते हैं।

5. व्याख्यानुवाद :-
जब अनुवादक किसी रचना के मूल का अनुवाद न करके उसकी व्याख्या भी प्रस्तुत करता है उसे व्याख्यानुवाद कहते हैं।

6. आशु - अनुवाद :-
इसका प्रयोग प्राय: दुभाषिये करते हैं। इसे अंग्रेजी में Interpreter भी कहते हैं।

7. रूपांतरण :-
जब अनुवादक किसी रचना का स्रोत भाषा से लक्ष्य भाषा में सम्पूर्ण अनुवाद कर देता है तो उसे रूपांतरण कहते हैं।

8. सहजानुवाद :-
सरल सहज रूप में स्रोत भाषा की सामग्री का लक्ष्य भाषा में अनुवाद सहजानुवाद है।

Scanned with OKEN Scanner

अनुवाद की प्रक्रिया

1. पठन :-
इस प्रक्रिया में अनुवादक स्रोत भाषा से अनुवाद करने वाली सामग्री को बार-बार पढ़ता है, जिससे वह उसके अर्थ को अच्छी तरह से समझ ले।

2. विखंडन :-
इस प्रक्रिया में अनुवादक पढ़े गए पाठ को वाक्यों में तोड़ता है, जिससे वह आसानी से अनुवाद कर सके।

3. विश्लेषण :-
इस प्रक्रिया में तोड़े गए वाक्यों का विश्लेषण किया जाता है, ताकि यह पता लग सके कि उसे नए भाषा में किस प्रकार रखा जाए, जिससे अर्थ और भाव का स्वरूप बना रहे।

4. भाषांतरण :-
इस प्रक्रिया में अनुवादक प्रत्येक वाक्य का अनुवाद शुरू करता है, जिसमें एक भाषा से दूसरी भाषा में बदला जाता है इसी को भाषांतरण कहते है।

Scanned with OKEN Scanner

5. संयोजन :-
इस प्रक्रिया में अनुवाद किये गए वाक्यों का नए भाषा के अनुसार सजाया जाता है या अर्थ के आधार पर set किया जाता है।

6. पुनरीक्षण :-
इस प्रक्रिया में अनुवाद का निरीक्षण किया जाता है। साथ ही यह भी देखा जाता है कि कहीं कुछ छूट तो नहीं गया या कुछ सुधार करने की आवश्यकता तो नहीं है।

7. समायोजन :-
पुनरीक्षण के बाद छूटे गए तथ्य या सुधार किये जाने वाक्यों को सुधारा जाता है। फिर उसे पुनः सजा लिया जाता है।

8. अभिव्यक्ति :-
जब सब कुछ सही रहता है तब लक्ष्य भाषा यानि जिस भाषा में अनुवाद किया जाना था उसमें अनुवाद को व्यक्त किया जाता है या लिखा जाता है।

Scanned with OKEN Scanner